वर्ण-विचार
(Phonology)

बच्चो! हमने जाना कि भाषा का प्रयोग करते समय हमारे मुख से कुछ ध्वनियाँ निकलती हैं। जैसे- वाह।

इन ध्वनियों का लिखित रूप वर्ण कहलाता है। यह भाषा की सबसे छोटी इकाई होती है।

उपर्युक्त चित्र में बच्चे के मुख से व् + आ + ह् + अ ध्वनि का उद्‌घोष हो रहा है। यही ध्वनि वर्ण कहलाती है।

वर्ण की परिभाषा (Definition of Letter)

भाषा की सबसे छोटी इकाई या ध्वनि, जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते, उसे वर्ण कहते हैं।

वर्ण के भेद (Kinds of Letter)

र्ण के तीन भेद होते हैं-

स्वर 2. व्यंजन 3. अयोगवाह

स्वर (Vowels) - वे वर्ण जो दूसरे वर्णों की सहायता के बिना बोले जाते हैं, स्वर कहलाते हैं। इन वर्णों का उच्चारण करते समय वायु हमारे कंठ से निकलकर सीधे बाहर आ जाती है।

हिंदी भाषा में कुल ग्यारह (11) स्वर होते हैं-

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

स्वर के भेद (Kinds of Vowel)

स्वर के तीन भेद होते हैं-

(क) ह्रस्व स्वर (ख) दीर्घ स्वर (ग) प्लुत स्वर

(क) ह्रस्व स्वर- जिन स्वरों को बोलने में कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं। ये केवल एक मात्रा के होते हैं। हिंदी भाषा में ह्रस्व स्वर चार होते हैं, जो निम्नलिखित हैं- अ, इ, उ, ऋ।

(ख) दीर्घ स्वर- जिन स्वरों के बोलने में ह्रस्व स्वर से अधिक समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। ये दो मात्रा के होते हैं। हिंदी भाषा में दीर्घ स्वर सात होते हैं, जो निम्नलिखित हैं- आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

Scanned with CamScanner

(ग) **प्लुत स्वर**– प्लुत स्वरों को बोलने में दीर्घ स्वरों से अधिक समय लगता है। जैसे- ओउम्। इनका प्रयोग संस्कृत भाषा में अधिक किया जाता है।

2. व्यंजन (Consonants)

व्यंजन उन वर्णों (अक्षरों) को कहते हैं, जिनको बोलने के लिए स्वर की सहायता लेनी पड़ती है। इन वर्णों को बोलते समय हमारे कंठ से निकलने वाली वायु सीधे बाहर न आकर कंठ, जीभ, होंठ या दाँतों से टकराकर आती है। इस आधार पर वर्णों का विभाजन किया जाता है। हिंदी भाषा में निम्नलिखित व्यंजन हैं-

स्पर्श व्यंजन-	कवर्ग -	क	ख	ग	घ	ङ	स्पर्श व्यंजन कुल पच्चीस होते हैं।
	चवर्ग -	च	छ	ज	झ	ञ	
	टवर्ग -	ट	ठ	ड	ढ	ण	
	तवर्ग -	त	थ	द	ध	न	
	पवर्ग -	प	फ	ब	भ	म	
अंतःस्थ व्यजन	-	य	र	ल	व		
उष्म व्यंजन	-	श	ष	स	ह		
संयुक्त व्यंजन	-	क्ष	त्र	ज्ञ			

द्वित्व व्यंजन– एक जैसे दो व्यंजनों से मिलकर बने व्यंजनों को द्वित्व व्यंजन कहा जाता है। जैसे-

क् + क = क्क उदाहरण– चक्का, पक्का

च् + च = च्च उदाहरण– सच्चा, गच्चा

ज् + ज = ज्ज उदाहरण– छज्जा, लज्जा

संयुक्ताक्षर– दो अलग-अलग व्यंजनों के मिलने से बने अक्षर को संयुक्ताक्षर कहते हैं। जैसे-

क् + य = क्य उदाहरण– वाक्य, क्यों

च् + छ = च्छ उदाहरण– अच्छा, स्वच्छ

श् + र = श्र उदाहरण– श्रमिक, परिश्रम

3. अयोगवाह

– जो वर्ण न तो स्वर होते हैं, न ही व्यंजन, उन्हें अयोगवाह कहते हैं। अं, अः और अँ इसी प्रकार के वर्ण हैं इनका स्थान स्वर के बाद तथा व्यंजन से ठीक पहले माना जाता है। जैसे- पंखा, प्रातः, आँख आदि।

'अं' को अनुस्वार कहते हैं। इसका चिह्न (ं) है। इस ध्वनि का उच्चारण नाक से होता है। जैसे-

बंदर

कंप्यूटर

घंटा

अंगूर

पंखा

Scanned with CamScanner

'अः' को विसर्ग कहते हैं। इसका चिह्न (:) है। इसका उच्चारण 'ह' को हल्का झटका देकर किया जाता है। जैसे-

प्रातः

नमः

दुःखी

'अँ' को अनुनासिक कहते हैं। इसका चिह्न (ँ) है। इस ध्वनि का उच्चारण मुख तथा नाक की सहायता से होता है। जैसे-

चाँद

आँख

ऊँट

बूँद

साँप

पाँच

पदेन 'र' (्र, ्र) एवं रेफ़ (र्‍) का प्रयोग

1. जब 'र' स्वर रहित व्यंजन के बाद हो, तो उस र को व्यंजन की खड़ी पाई के साथ ' ्र ' के रूप में लिखा जाता है। जैसे-

   व् + र + त = व्रत

   प् + रा + ण = प्राण

2. स्वर रहित टवर्ग (ट, ठ, ड, ढ) के साथ 'पदेन र' ' ्र ' के रूप में लिखा जाता है। जैसे-

   ट् + र + क = ट्रक

   ड् + र + म = ड्रम

3. स्वर रहित 'र' को लिखने के लिए 'रेफ' (र्‍) का प्रयोग किया जाता है। जैसे-

   स + र् + प = सर्प

   म + र् + म = मर्म

'ऋ' की मात्रा (ृ) भी बोलने में 'रि' की भाँति ही होती है। जैसे-

ऋषि, ऋतु, कृष्ण, कृषक, मृग

हलंत (्)– स्वर रहित व्यंजन को हलंत (्) से दर्शाया जाता है। जैसे- क्, ख्, ग् आदि।

मात्राएँ (Vowel Marks)

नीचे दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए–

फूल

घड़ी

पंखा

शिखर

किताब

उपर्युक्त चित्रों में फूल, घड़ी, पंखा, शिखर, किताब में कुछ रंगीन चिह्न जुड़े हैं, ये रंगीन चिह्न ही मात्राएँ कहलाती हैं।

Scanned with CamScanner

मात्राएँ अपने मूल रूप में- बहुत से शब्दों में मात्राओं को उनके मूल रूप में ही प्रयोग किया जाता है। जैसे-

अनन्नास

आलू

इमरती

ईख

ऋषि

एक

ऐनक

ओखली

उपर्युक्त चित्रों के नीचे दिए गए शब्दों में रंगीन की गई मात्राएँ अपने मूल रूप में प्रयोग की गई हैं।

मात्रा सहित वर्ण और उनसे बने शब्द-

स्वर	-	अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ
मात्राएँ	-		ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ
व्यंजन के साथ	-	क	का	कि	की	कु	कू	कृ	के	कै	को	कौ

मात्राओं के मेल से बने शब्द- कल, काल, किला, कील, कुत्ता, कूप, कृषक, केला, कैलाश, कोयल, कौआ।

विशेष

1. ङ, ञ, ण, न, म पंचम वर्ण कहलाते हैं।
2. 'ऑ' एक अँगरेज़ी वर्ण है और 'ज़', 'फ़' फ़ारसी वर्ण हैं, जिन्हें हिंदी भाषा में सम्मिलित किया गया है। ये आगत वर्ण भी कहलाते हैं।
3. अ स्वर का कोई अपना चिह्न नहीं होता है। ये सभी वर्णों में मिला होता है।

अभ्यास

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए-
   (i) वर्ण किसे कहते हैं? इसके कितने भेद होते हैं?
   (ii) स्वर के कितने भेद होते हैं? नाम लिखिए।
   (iii) स्पर्श व्यंजन कितने होते हैं?
   (iv) अयोगवाह किसे कहते हैं? ये कितने प्रकार के होते हैं? उदाहरण देकर समझाइए।
2. खाली जगह भरिए-
   (i) जिन स्वरों के बोलने में ह्रस्व स्वर से अधिक समय लगता है, उन्हें _____ स्वर कहते हैं।
   (ii) दो अलग-अलग व्यंजनों के मिलने से बने अक्षर को _____ कहते हैं।
   (iii) हिंदी भाषा में ह्रस्व स्वर _____ होते हैं।

Scanned with CamScanner

(iv) जो वर्ण न तो स्वर होते हैं, न ही व्यंजन, उन्हें _____ कहते हैं।

3. सही कथन के आगे (✓) तथा ग़लत कथन के आगे (×) का चिह्न लगाइए–

(i) दीर्घ स्वर सात होते हैं।

(ii) 'ष' संयुक्त व्यंजन है।

(iii) एक जैसे दो व्यंजनों के मेल को द्वित्व व्यंजन कहते हैं।

(iv) 'अं' को अनुस्वार कहते हैं।

4. निम्नलिखित वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए–

(i) ब् + अ + च् + च् + आ = _____

(ii) श् + आ + न् + त् + इ = _____

(iii) ट् + र् + अ + क् + अ = _____

(iv) ध + र् + म् + अ = _____

(v) क् + ओ + य् + अ + ल् + अ = _____

5. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर अनुस्वार, अनुनासिक व विसर्ग लगाकर शब्द बनाइए–

कम्प्यूटर

साप

दुःखी

पखा

अगूठी

प्रात

घटा

चाद

6. सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(i) स्वर के भेद होते हैं–

क. दो ◯ ख. तीन ◯ ग. चार

(ii) अंतःस्थ व्यंजन है–

क. च ◯ ख. म ◯ ग. ल

(iii) कृषक शब्द में 'क' पर कौन-सी मात्रा है–

क. ऋ ◯ ख. ए ◯ ग. ओ

(iv) आगत वर्ण है–

क. ऑ ◯ ख. ण ◯ ग. ज

Scanned with CamScanner

नीचे दी गई मात्राओं से तीन-तीन शब्द बनाइए–

(क)	ऋ	(ृ)	ऋषि	कृपाण	मृग
(ख)	ओ	(ो)	_____	_____	_____
(ग)	अं	(ं)	_____	_____	_____
(घ)	अँ	(ँ)	_____	_____	_____
(ङ)	ऑ	(ॅ)	_____	_____	_____

Scanned with CamScanner

पाठ - 2

वर्ण -विचार

1- प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(i) वर्ण किसे कहते हैं ? इसके कितने भेद होते हैं ?

उत्तर - भाषा की सबसे छोटी इकाई या ध्वनि, जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते, उसे वर्ण कहते हैं।

वर्ण के तीन भेद होते हैं-

(क) स्वर

(ख) व्यंजन

(ग) अयोगवाह

(ii) स्वर के कितने भेद होते हैं ? नाम लिखिए।

उत्तर - स्वर के तीन भेद होते हैं-

(क) ह्रस्व स्वर
(ख) दीर्घ स्वर
(ग) प्लुत स्वर

(iii) स्पर्श व्यंजन कितने होते हैं ?

उत्तर - हिन्दी वर्णमाला में स्पर्श व्यंजनों की कुल संख्या पच्चीस (25) है। कवर्ग से लेकर पवर्ग तक के व्यंजन स्पर्श व्यंजन कहलाते हैं।

(iv) अयोगवाह किसे कहते हैं ? ये कितने प्रकार के होते हैं ? उदाहरण देकर समझाइए ।

उत्तर - ऐसे वर्ण या अक्षर जो न तो स्वर होते हैं, न ही व्यंजन,उन्हें अयोगवाह कहते हैं।

इसके प्रकार व उदाहरण निम्न प्रकार हैं-

(क) अनुस्वार - अं (ं) जैसे- संसार , गंगा

(ख) अनुनासिक – अँ (ँ) जैसे- चाँद , हँसी

(ग) विसर्ग - अः (:) जैसे- प्रातः , अतः

Scanned with CamScanner

2) खाली जगह भरिए-

(i) जिन स्वरों के बोलने में ह्रस्व स्वर से अधिक समय लगता है , उन्हें **दीर्घ** स्वर कहते हैं ।

(ii) दो अलग – अलग व्यंजनों के मिलने से बने अक्षर को **संयुक्ताक्षर** कहते हैं ।

(iii) हिन्दी भाषा में ह्रस्व स्वर **चार** होते हैं ।

(iv) जो वर्ण न तो स्वर होते हैं ,न ही व्यंजन, उन्हें **अयोगवाह** कहते हैं ।

---

3) सही कथन के आगे (√) तथा गलत कथन के आगे (x) का चिह्न लगाइए-

(i) दीर्घ स्वर सात होते हैं। √

(ii) 'ष 'संयुक्त व्यंजन है। x

(iii) एक जैसे दो व्यंजनों के मेल को द्वित्व व्यंजन कहते हैं। √

(iv) 'अं ' को अनुस्वार कहते हैं। √

4.निम्नलिखित वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए –

(i) ब् + अ +च् +च् +आ = बच्चा

(ii) श् +आ+न् +त् +इ = शांति

(iii) ट्+र् +अ +क् +अ = ट्रक

(iv) ध् +र् +म् +अ = धर्म

(v) क् +ओ +य् +अ+ल् +अ = कोयल

Scanned with CamScanner

5.नीचे दिए गए चित्रों को देखकर अनुस्वार, अनुनासिक व विसर्ग लगाकर शब्द बनाइए -

कप्यूटर

साप

दुखी

पखा

अगूठी

प्रात

घटा

चाद

उत्तर -	कंप्यूटर	साँप	दुःखी	पंखा
	अँगूठी	प्रातः	घंटा	चाँद

6.-सही विकल्प पर (√) का चिह्न लगाइए -

(i) स्वर के भेद होते हैं –

क. दो ◯ ख. - तीन (√) ग. – चार ◯

(ii) अंत :स्थ व्यंजन है –

क . - च ◯ ख. – म ◯ ग. – ल (√)

(ii) कृषक शब्द में 'क ' पर कौन – सी मात्रा है –

क. – ऋ (√) ख. – ए ◯ ग. – ओ ◯

(iv) आगत वर्ण है –

क. ऑ (√) ख. ण ◯ ग. – ज ◯

Scanned with CamScanner

7. नीचे दी गई मात्राओं से तीन – तीन शब्द वनाइए -

(क) ऋ	(ृ)	ऋषि	कृपाण	मृग
(ख) ओ	(ो)	ओखली	ओस	ओला
(ग) अं	(ं)	अंगूर	अंकुर	अंग
(घ) अँ	(ँ)	अँधेरा	अँगूठी	अँगूठा
(ङ) ऑ	(ॅ)	डॉक्टर	बॉल	ऑफिस

नोट- (i) प्रश्न– उत्तर कॉपी में लिखें।

(ii) प्रश्न 2-7 तक पुस्तक (book) में हल करें।

(iii) पुस्तक उपलब्ध न होने पर कार्य किसी रफ़ कॉपी में करें।

Scanned with CamScanner